आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 57 | उज्जैन, शुक्रवार 17 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

उद्यमशीलता से भारत को एक बार फिर बनाएंगे सोने की चिड़िया-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सर्वे भवंतु सुखिनः की सनातन संस्कृति को चरितार्थ करते हैं, उद्योगपति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उद्यमशीलता के माध्यम से हम भारत को एक बार फिर सोने की चिड़िया बनाएंगे। वर्ष 2014 में जब मोदी की सरकार बनी थी, भारत की अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां थीं। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हमने अपनी आंतरिक शक्तियों, अनंत संभावनाओं को पहचाना और आज हम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में भी तेज गति से विकास हो रहा है। हमारा मध्यप्रदेश 9 करोड़ का परिवार है और आने वाले 5 वर्षों में हम

अपनी जीडीपी को दोगुना करने वाले हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगपति हमारी ÷सर्वे भवंतु सुखिनः÷ की सनातन संस्कृति को चरितार्थ करते हैं। एक योद्धा जिस प्रकार युद्ध में देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देता है उसी प्रकार एक उद्यमी कई परिवारों का भला करता है। यदि हम सभी अपनी-अपनी भूमिका को ठीक ढंग से निभाएं तो सभी का कल्याण होगा और देश तरक्की करेगा। अपने लिए जिए तो क्या जिए, हमें सभी के कल्याण के लिए जीना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरलता, सुगमता के साथ व्यापार, व्यवसाय हमारी औद्योगिक नीति है। राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। हम उद्योगों को सहकार, सहयोग और सम्मान देते हैं। राज्य में औद्योगिक श्रमिकों की कोई परेशानी नहीं है। पर्यटन, आईटी सेक्टर और रेडीमेड गारमेंट्स आदि क्षेत्रों में उद्योगों को विशेष इंसेन्टिव दिए जाते हैं। रेडीमेड गारमेंट्स में 200 प्रतिशत तक मदद दी जाती है और 10 वर्ष तक 5 हजार रूपये प्रति मजदूर इंसेन्टिव भी दिया जाता है।

1999 के सैलाब से ओडिशा ने सीखा सबक, कौन सा प्लान बनाया; अब तूफानों से नुकसान कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1999 में आए भीषण सुपर साइक्लोन ने ओडिशा को ऐसी तबाही दिखाई जिसकी यादें आज भी ताजा हैं। इस विनाशकारी तूफान में 10,000 से अधिक लोगों की जान गई और 13 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए। राज्य के 12 जिलों में तबाही का मंजर ऐसा था कि हजारों लोग बेघर हो गए और सरकार के पास आपदा से निपटने की कोई ठोस योजना नहीं थी।

इस दर्दनाक अनुभव ने ओडिशा सरकार को एक मजबूत और स्थायी आपदा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए प्रेरित किया। 1999 की इस महातबाही से सबक लेते हुए, ओडिशा ने देश में पहली बार राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना की। यह पहल 2005 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना से भी पहले हुई।

पिछले दो दशकों में, ओडिशा ने अपने आपदा प्रबंधन ढांचे को इतना मजबूत किया कि अब वह देश के सबसे तैयार राज्यों में से एक बन गया है। सरकार ने 800 से अधिक बहुउद्देश्यीय साइक्लोन और बाढ़ आश्रयों का निर्माण किया है, जिनमें से 500 साइक्लोन आश्रय और 311 बाढ़ आश्रय हैं। हाल ही में सरकार ने इन आश्रयों के रखरखाव और मरम्मत की योजना भी तैयार की है, ताकि वे आपदा के समय सुरक्षित और उपयोग के लिए तैयार रहें।

किन्नरों से भारत में जासूसी करा रहा बांग्लादेश? भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश किन्नरों को भारतीय सीमा क्षेत्र में जासूसी के लिए भेज रहा है। पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से बांग्लादेश से भारतीय सीमा क्षेत्र में किन्नरों की घुसपैठ की संख्या बढ़ी है, उससे केंद्रीय और राज्य जांच एजेंसियों को कुछ इसी प्रकार का अंदेशा है।

खासकर बंगाल में दक्षिण दिनाजपुर जिले के अधीन भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से किन्नरों के घुसपैठ के मामले सामने आ रहे हैं। एक ओर जहां बिना घेराबंदी क्षेत्र की घेराबंदी में बांग्लादेशी सुरक्षा बल बीजीबी के विरोध के कारण भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर इस नए मामले ने उनकी नींद उड़ा दी है। बुधवार को दक्षिण दिनाजपुर जिले से किन्नर बिजली मंडल उर्फ अलीम मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया है।

खुली सीमा की सुरक्षा बीएसएफ के लिए बड़ी चुनौती

बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) द्वारा कुछ जगहों पर आपत्ति जताए जाने की हालिया घटनाओं के बाद से तनाव बढ़ रहा है।

इसरो ने रचा इतिहास, स्पेस में दोनों सैटेलाइट को जोड़ने में मिली सफलता; ऐसा करने वाला चौथा देश बना भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो ने अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट के तहत सैटेलाइट को जोड़ने में सफलता हासिल कर ली है। स्पेस एजेंसी इस बारे में जानकारी दी है। इसरो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। इसके साथ ही ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है।

इसके पहले 12 जनवरी को इसरो ने डॉकिंग के ट्रायल के दौरान दोनों सैटेलाइट को तीन मीटर से भी कम दूरी पर लाकर वापस सुरक्षित दूरी पर पहुंचा दिया था। आपको बता दें कि इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट लॉन्च किया था।

श्रीहरिकोटा से हुई थी लॉन्चिंग- पीएसएलवी सी60 रॉकेट के मदद से दो छोटे सैटेलाइट स्छङ्क01 और स्छङ्क02 को लॉन्च किया गया था। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च कर 475 किलोमीटर सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया था।

इसरो के अनुसार, स्पाडेक्स मिशन पीएसएलवी द्वारा लॉन्च किए गए दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए एक कॉस्ट इफेक्टिव टेक्नोलॉजी मिशन है। अंतरिक्ष में, डॉकिंग तकनीक तब आवश्यक होती है, जब सामान्य मिशन के लिए कई रॉकेट लॉन्च की जरूरत होती है।

प्रधानमंत्री ने दी बधाई- इसरो की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। उन्होंने लिखा, उपग्रहों की अंतरिक्ष डॉकिंग के सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और संपूर्ण अंतरिक्ष बिरादरी को बधाई।

घरवालों ने समझ लिया था पागल, काशी के गुरु ने बदल दी जिंदगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में एक से बढ़कर एक साधु-महात्माओं का जुटान हुआ है। उनकी रोचक कहानियां भी सोशल मीडिया और मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। उन्हीं मे से एक हैं ।।T वाले बाबा अभय सिंह, जो हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले हैं। इन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में ।।T बॉम्बे से बी टेक किया है। उसके बाद कनाडा में लाखों के वेतन पैकेज की नौकरी कर चुके हैं लेकिन वह अब आधुनिक तकनीक और विज्ञान की चकाचौंध को छोड़कर, आध्यात्म की राह अपना ली है। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में अभय सिंह ने बताया कि इस दुनिया को लेबल पसंद है लेकिन मुझे वह पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका मकसद मुक्ति की तलाश करना है लेकिन एक नौकरी उन्हें एक ढांचे में बांध कर उन्हें मुक्ति की राह में रोक रही थी। सिंह ने कहा कि जब आप किसी एक लेबल में बंध जाते हैं तो आपका विकास रुक जाता है, जबकि उन्हें कुछ नहीं होना था। सिंह ने कहा कि जो कुछ नहीं होता है, वह कुछ भी हो सकता है। इसलिए वह मुक्ति की तलाश में थे। बाबा ने बताया कि जब वह अपने ही घर में मेडिटेशन करते थे तो उनके घर वाले कहते थे कि ये तो गया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उन्हें पागल समझने लगे थे लेकिन वह तब मेडिटेशन कर रहे होते थे। उन्होंने कहा कि नौकरी छोड़कर वह नीचे नहीं ऊपर की अवस्था में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि ।।T में जाने के बाद लगा कि आगे जीवन में क्या करना है।

26 जनवरी से पहले जोर पकड़ने लगा किसान आंदोलन, पैदल ही दिल्ली मार्च का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा के कुछ किसान बीते कई महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने फिर एकबार दिल्ली मार्च का ऐलान किया है। किसान यूनियनों ने अपने चल रहे आंदोलन को तेज करते हुए गुरुवार को घोषणा की कि वे 21 जनवरी 2021 को फिर से हरियाणा सीमा पार करने का प्रयास करेंगे। इसमें 101 किसानों का समूह शामिल होगा, जिन्हें मरजीवड़ा नाम दिया गया है। मरीजवाड़ का मतलब होता है जो अपनी जान देने के लिए तैयार हैं।

काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का ऐलान, 15-24 फरवरी तक होगा आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को घोषणा की कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केंद्रित कार्यक्रम 'काशी तमिल संगमम' का तीसरा संस्करण 15 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित किया जायेगा। प्रधान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षण केंद्रों तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का जश्न मनाना और उसकी पुनः पुष्टि करना है। दस दिवसीय यह कार्यक्रम 15 फरवरी से शुरू होगा।

काशी तमिल संगमम का महीने भर चलने वाले पहला संस्करण 2022 में आयोजित किया गया था। दूसरा संस्करण 2023 में 17 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित किया गया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास और काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) कार्यक्रम के लिए दो कार्यान्वयन एजेंसियां हैं। इस वर्ष, सरकार ने तमिलनाडु से लगभग 1,000 प्रतिनिधियों को बुलाने का फैसला किया है। इनमें छात्र, शिक्षक और लेखक; किसान और कारीगर; पेशेवर और छोटे उद्यमी; महिलाएं (स्वयं-सहायता समूह, मुद्रा ऋण लाभार्थी, डीबीएचपीएस प्रचारक); स्टार्ट-अप, नवोन्मेष, शिक्षा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान से प्रतिभागी शामिल होंगे।

विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत तमिल मूल के लगभग 200 छात्रों का एक अतिरिक्त समूह काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों को जीवंत करने के लिए इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा। आईआईटी-मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि ने कहा, तमिलनाडु से कुल 1,000 प्रतिभागी, बराबर संख्या के पांच समूहों में विभाजित होकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वे छात्र, शिक्षक, किसान, कारीगर, पेशेवर और छोटे उद्यमियों के अलावा महिलाओं और शोधकर्ताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों से होंगे। इसके अलावा, सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के 200 तमिल छात्रों का एक समूह भी इस कार्यक्रम का हिस्सा होगा और उन्हें वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या का स्थानीय दौरा करने का मौका मिलेगा।

तीसरे संस्करण का एक मुख्य आकर्षण यह है कि कार्यक्रम का आयोजन ऐसे समय होगा जब महाकुंभ मेला भी आयोजित हो रहा है। महाकुंभ मेला 13 जनवरी से शुरू हुआ है और यह 26 फरवरी तक चलेगा। प्रतिनिधियों को महाकुंभ मेले के दौरान शाही स्नान और अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन करने का मौका मिलेगा।

तेहरान नहीं तो फिर कौन-सा शहर होगा ईरान की राजधानी; जिससे जुड़ी है अलेक्जेंडर की कहानी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ वक्त पहले इंडोनेशिया ने अपनी राजधानी जकार्ता से बदलकर नुसंतारा करने का फैसला लिया था। इससे पहले म्यांमार, कजाकिस्तान, तंजानिया, नाइजीरिया और पाकिस्तान समेत कई देश अपनी अपनी राजधानी सिटी बदल चुके हैं।

अब इसी तर्ज पर ईरान भी अपनी राजधानी बदलने की तैयारी कर रहा है। ईरान तेहरान शहर से राजधानी का दर्जा हटाकर मकरान को नई राजधानी बना रहा है। ईरान सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहजेरानी ने इसकी पुष्टि भी की है।

ईरानी प्रवक्ता फातेमेह मोहजेरानी ने कहा कि ईरान की नई राजधानी देश के दक्षिण हिस्से में होगी। 90 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहर तेहरान पर अच्छा खासा दबाव हो गया है।

इतना ही नहीं, तेहरान की गिनती दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में होती है। तेहरान में रहने वाले लोगों को पानी, बिजली और रसोई गैस जैसी मूलभूत चीजों की कमी से जूझना पड़ रहा है। जनसंख्या के दबाव के अलावा, राजधानी बदलने का दूसरा कारण यह है कि तेहरान में भूकंप का खतरा बढ़ गया है।

मकरान को ही राजधानी के लिए क्यों चुना- अब सवाल आता है कि ईरानी सरकार ने राजधानी को तेहरान से बदलने के लिए मकरान को क्यों चुना। दरअसल, यह शहरा ईरान के दक्षिण में स्थित एक तटीय एरिया है, जिसकी तटरेखा करीबन 1000 किलोमीटर लंबी है। मकरान को राजधानी बनाने पर समुद्र पर आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने में खासा मदद मिलेगी।

इस क्षेत्र के कुदरती संसाधन मकरान को व्यावसायिक और समुद्री कार्यों के लिहाज से दुनिया भर के लिए बड़ा हब बना सकते हैं। ईरान मकरान एरिया को नए समुद्री व्यापारिक कॉरिडोर बनाना चाहता है। दूसरी ओर से इससे मध्य एशिया और हिंद महासागर के बीच कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी।

तेहरान के सामने हैं ये समस्याएं- तेहरान को 200 साल से ज्यादा वक्त हो गया है, जब ईरान की राजधानी बनाया गया था। इसलिए यह शहर राजधानी के तौर पर उतना मॉर्डन नहीं है, जितना की दुनिया भर के अन्य देशों की राजधानी हैं।

तेहरान की आबादी अभी 90 लाख है। आगामी 30 सालों में यह 2 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके चलते इस शहर में आबादी को मैनेज करना कठिन हो जाएगा।

तेहरान में लगातार पानी, बिजली और रसोई गैस का संकट बढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में बिजली-पानी की भारी किल्लत हो जाती है।

अगर मेरा बेटा बंधक न होता तो मैं..., युद्धविराम समझौते से खुश क्यों नहीं इजरायल के लोग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच 15 महीने से चल रहे गाजा युद्ध को रोकने पर समझौता हो गया है। समझौते के तहत शुरुआती छह सप्ताह तक युद्ध विराम रहेगा। इजरायल के सुरक्षा बल धीरे धीरे गाजा से वापस जाएंगे और हमास बंधकों को रिहा करेगा।

इसके बदले में इजरायल की हिरासत में रह रहे फलस्तीनी नागरिक भी रिहा किए जाएंगे। समझौता की जानकारी सामने आते ही गाजा के लोग सड़कों पर उतर आए और

सड़कों पर जश्न मनाने लगे।

समझौते से कुछ लोग खुश नहीं- गौरतलब है कि इस समझौते से इजरायल के कुछ लोग खुश नहीं हैं। टिकवा फोरम नामक एक ग्रुप का कहना है कि अच्छा होता अगर बंधकों की रिहाई को लेकर किए गए इस समझौते की जगह हमास के खिलाफ युद्ध जारी रहता। बता दें कि टिकवा फोरम नामक संस्था दक्षिणपंथी विचारधारा से प्रभावित है।

कवा फोरम के सह-संस्थापक त्जिवका मोर के बेटे ईतान को भी हमास ने बंधक बना रखा है। उनका कहना है कि भले ही मेरा बेटो को हमास ने बंधक बना रखा है, लेकिन वो भी चाहता होगा कि सबसे पहले इजरायल सुरक्षित रहे। अगर मेरा बेटा आज बंधक न बना होता तो वो इजरायल का सैनिक होता।

इजरायल का मानना है कि कम से कम 98 लोग अभी भी बंधक के रूप में गाजा में मौजूद हैं। उनमें दर्जनों के मारे जाने की आशंका भी है।

बता दें कि युद्धविराम समझौता तीन चरणों में होगा। पहले चरण में गाजा के घनी आबादी वाले क्षेत्रों से इजरायली सैनिकों की वापसी और हमास द्वारा बनाए गए बंधकों की घर वापसी होगी।

कनाडा तो पहुंचे, लेकिन कॉलेजों में नहीं गए 20000 भारतीय छात्र; चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता विभाग द्वारा जारी किए गए मार्च और अप्रैल 2024 के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 50,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को नो-शो घोषित किया गया, जिनमें से 20,000 भारतीय छात्र थे। यह संख्या कुल भारतीय छात्रों का 5.4 प्रतिशत है, जो कनाडा में अध्ययन के लिए गए थे। यहां ÷नो-शो÷ का मतलब उन छात्रों से है जो कनाडा के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने के लिए नामांकित तो हुए, लेकिन उन्होंने निर्धारित समय पर कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। दूसरे शब्दों में, ये छात्र अपने स्टडी परमिट के अनुसार पढ़ाई शुरू करने के लिए निर्धारित संस्थानों में नहीं पहुंचे। कुल मिलाकर, स्टडी परमिट धारकों में 6.9 प्रतिशत छात्र ऐसे थे जो अपने संबंधित कॉलेजों में पहुंचे ही नहीं। यह आंकड़े अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपालन प्रणाली के तहत एकत्र किए गए, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों को प्रत्येक वर्ष दो बार नामांकन की रिपोर्ट देने की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट्स से पता चला है कि 144 देशों के छात्रों पर नजर रखी गई, और गैर-अनुपालन दर में काफी अंतर था। उदाहरण के लिए, फिलीपींस से 688 छात्र (2.2 प्रतिशत) और चीन से 4,279 (6.4 प्रतिशत) अपने निर्धारित स्कूलों में नहीं गए।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे कई अरबपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका को पिछले साल नवंबर (नवंबर 2024) में डोनाल्ड ट्रंप के रूप में नया राष्ट्रपति मिल चुका है। वह दूसरी बार देश के राष्ट्रपति चुने गए हैं और 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को हरा कर निर्वाचित घोषित किए गए ट्रंप के शपथ ग्रहण का पूरी दुनिया को इंतजार है।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले लोगों में कई प्रसिद्ध नाम शामिल किए गए हैं। इनमें बड़े-बड़े अरबपति भी शामिल हैं, जो अगले सप्ताह होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करना चाहते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में एलन मस्क, जेफ बेजोस और अन्य जैसे शीर्ष लोगों के वाशिंगटन, डी.सी. में आने की उम्मीद है।

विश्व नेताओं ने इजरायल-हमास के बीच ऐतिहासिक युद्धविराम समझौते पर दी प्रतिक्रिया, बाइडन बोले- 'तीन चरणों में होगा समझौता'

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका और कतर ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौते की पुष्टि की है, जिससे गाजा में 15 महीने से चल रहा क्रूर संघर्ष रुक गया है और कई बंधकों की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। जो बाइडन के अनुसार, युद्ध विराम समझौते को तीन चरणों में लागू किया जाएगा।

छह सप्ताह तक चलने वाले पहले चरण में पूर्ण युद्ध विराम, गाजा के आबादी वाले क्षेत्रों से इजरायली सेना की वापसी और अमेरिकियों सहित बंधकों की रिहाई शामिल है।

बदले में, इजरायल सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा और फलस्तीनी अपने पड़ोस में वापस लौट सकेंगे।

चरण 2 में युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए बातचीत पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें शेष बंधकों की रिहाई और इजरायल की पूर्ण वापसी शामिल है, जिससे युद्ध विराम स्थायी हो जाएगा।

चरण 3 में मृत बंधकों के अवशेषों की वापसी और गाजा के पुनर्निर्माण की शुरुआत होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक प्रेस वार्ता के दौरान युद्ध विराम की घोषणा करते हुए कहा, यह बहुत अच्छी दोपहर है क्योंकि आखिरकार, मैं युद्ध विराम की घोषणा कर सकता हूं और इजरायल और हमास के बीच एक बंधक समझौता हो गया है। बंधकों, उनके परिवारों और इजरायली लोगों के लिए 15 महीने से अधिक का आतंक और गाजा के निर्दोष लोगों द्वारा 15 महीने से अधिक की पीड़ा। गाजा में लड़ाई बंद हो जाएगी और जल्द ही बंधक अपने परिवारों के पास घर लौट आएंगे।

जो बाइडन ने इस वार्ता को अपने जीवन की सबसे कठिन वार्ताओं में से एक बताया तथा इस समझौते की सफलता का श्रेय इजरायल द्वारा अमेरिका के समर्थन से हमास पर बनाए गए दबाव को दिया।

जब दो टुकड़ों में बंट गया था अमेरिका... 5 साल तक चला सिविल वॉर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर 1991 का वो वक्त याद कीजिए, जब सोवियत यूनियन कई टुकड़ों में बंट गया था। कम्युनिस्ट सुपरपावर का इतना बड़ा साम्राज्य जब टूटा, तो उससे कई नये देश बने- रूस, अर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, कजाखस्तान, तजाकिस्तान, यूक्रेन, उजेबेकिस्तान और अन्य

लेकिन ये किसी बड़े साम्राज्य के विघटन की कोई पहली घटना नहीं थी। इसके 130 साल पहले दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति और सबसे पुराना लोकतंत्र कहलाने वाला अमेरिका भी इसी दौर से गुजरा था।

ये उस वक्त की बात है, जब अमेरिका 50 नहीं, बल्कि 34 राज्यों का संघ हुआ करता था। लेकिन 1861 मे यह दो हिस्सों में बंट गया। तब दो देश बने, पहला यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका यानी यूएसए और दूसरा कंफेडरेट स्टेट्स ऑफ अमेरिका यानी सीएसए। जिस अमेरिका को आज हम जानते हैं, बंटवारे के बाद वह इसका एक चौथाई भी नहीं रह गया था।

करीब 5 साल तक ऐसा ही चला। इस दौरान दोनों देशों के बीच आर-पार की लड़ाई हुई। अमेरिका भले ही इसे सिविल वॉर कहता हो, लेकिन असल में ये उन दो देशों के बीच की लड़ाई थी, जो विचारधारा के कारण एक-दूसरे से अलग हो गए थे।

जॉर्जिया मेलोनी के लिए घुटनों पर बैठे प्रधानमंत्री, गाना गाया फिर दिया तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी आज (16 जनवरी) 48वां जन्मदिन मना रहीं हैं। कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं।

इसी बीच अल्बेनिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने उन्हें अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। एडी रामा ने घुटने पर बैठकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इतना ही नहीं उन्होंने मेलोनी के लिए तांती औगुरी (हैप्पी बर्थडे) गाना भी गाया। इसके बाद उन्हें स्कार्फ गिफ्ट दिया।

इटली के डिजाइनर ने तैयार किया स्कार्फ- उन्होंने अपने हाथों से मेलोनी को स्कार्फ पहनाया। यह दृश्य देखकर वहां पर मौजूद सभी लोगों ने तालियां बजाई। उन्होंने मेलोनी को आगे बताया कि यह स्कार्फ इटली के डिजाइनर ने ही तैयार किया है।

दोनों नेताओं का विचारधारा अलग- बता दें कि अल्बेनिया के प्रधानमंत्री एडी रामा और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच विपरित राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद अच्छे कामकाजी संबंध है। मेलोनी दक्षिणपंथी विचारधारा रखतीं हैं। वहीं, रामा अल्बानिया की सोशलिस्ट पार्टी का नेतृत्व करते हैं।

पिछले साल दोनों देशों के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत इटली द्वारा समुद्र में पकड़े गए कुछ प्रवासियों को अल्बानिया के हिरासत केंद्रों में भेजा जाएगा।

18 जनवरी से आ रहा नया पश्चिमी विक्षोभ, यूपी समेत इन राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में अभी लोगों को ठंड और बारिश से राहत नहीं मिलने वाली है। 16 जनवरी को घने कोहरे और हल्की बारिश की चेतावनी जारी की गई है। आने वाले तीन दिनों तक घने कोहरे का प्रकोप जारी रहेगा।

वहीं 18 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आएगा। मौसम विभाग के मुताबिक इस पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में हल्की बारिश की संभावना है।

यहां छाएगा घना कोहरा- भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 16 और 17 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब. हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में घने से बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है। एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के ऊपर बना हुआ है।

वहीं एक साइक्लोन सर्कुलेशन दक्षिणी हरियाणा में भी बना है। मौसम विभाग ने कहा कि 18 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। चार दिन बाद यानी 22 जनवरी को एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा।

महाकुंभ क्षेत्र में हो सकती हल्की बारिश- मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि घना कोहरा उत्तर पश्चिम भारत में आने वाले कई दिनों तक जारी रहेगा। उत्तर पश्चिम हिमालयी क्षेत्र में बादलों का जमावड़ा लगा है। नए पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रयागराज में गुरुवार यानी 16 जनवरी को हल्की बारिश और घने से बहुत घने का अलर्ट है। यहां आंशिक रूप से बादल भी छाए रहेंगे।

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट- मौसम विभाग के मुताबिक 16 जनवरी को चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, और मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में 16 जनवरी को हल्की बारिश के साथ हिमपात की चेतावनी भी जारी की गई है।

दिल्ली चुनाव में स्मृति ईरानी और नुपूर शर्मा को नहीं मिला टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 68 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। वहीं दो सीटें पार्टी ने जदयू और लोजपा को दी है। इस तरह दिल्ली के सभी 70 सीटों पर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवार तय हो गए हैं। वहीं इस बार के चुनाव में स्मृति ईरानी और नुपूर शर्मा को भी टिकट देने की बात कही जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

बीजेपी ने इस बार के चुनाव में बड़े चेहरों पर दांव खेला है। जैसे नई दिल्ली सीट पर पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा और कालकाजी सीट पर पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को टिकट दिया है। ऐसे में इसकी संभावना थी कि पार्टी बाकी सीट पर चौंकानेवाले नाम शामिल कर सकती है। इसी क्रम में बीजेपी की निलंबित नेता नूपुर शर्मा का नाम भी सामने आया था, जिसमें उन्हें पूर्वी दिल्ली की बाबरपुर सीट देने की बात कही जा रही थी। यहां से पार्टी ने अनिल वशिष्ठ को उतारा है। नूपुर शर्मा जून 2022 तक बीजेपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता भी रहीं थी।

चुनाव के सीसीटीवी फुटेज को लेकर जयराम रमेश की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की ओर से चुनाव के सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्ट फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर प्रतिबंध के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने के सामने जयराम की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने बहस करते हुए कहा कि चुनाव संचालन नियम 1961 में बड़ी चालाकी से संशोधन करके सीसीटीवी फुटेज को यह कहते हुए सार्वजनिक पहुंच से प्रतिबंधित कर दिया गया है कि इससे वोटर की पहचान खुल सकती है।

नोटिस जारी होने के बाद सिंघवी ने पीठ से कहा कि केंद्र और चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह अगली तारीख तक जवाब दाखिल कर दें अन्यथा अगली तारीख पर वे लोग कहेंगे कि जवाब दाखिल किया जाएगा। हालांकि सीजेआई ने कहा कि वे जवाब दाखिल करेंगे। केंद्र सरकार ने गत दिसंबर में चुनाव आयोग की सिफारिश पर चुनाव संचालन नियम 1961 में संशोधन कर सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्ट फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, राज्यों के खिलाफ अवमानना की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चेतावनी दी कि यदि वे भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहे तो उनके विरुद्ध अवमानना कार्रवाई की जाएगी।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत की ओर से प्रस्तुत नोट का अवलोकन किया और पाया कि कई राज्य संबंधित निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। फरासत इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सहायता कर रहे हैं।

पीठ ने कहा कि यदि किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने संबंधित निर्देशों का अनुपालन नहीं किया है, तो हमें उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करनी पड़ सकती है।

भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मुद्दा 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते समय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष उठा था, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया में प्रकाशित या प्रदर्शित किए जा रहे भ्रामक विज्ञापनों के पहलू को उजागर किया था, जो औषधि एवं जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 और संबंधित नियमों, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रविधानों के खिलाफ हैं।

फरासत ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अब तक दायर हलफनामों के अनुसार, 1954 के संबंधित अधिनियम के तहत वस्तुत- कोई मुकदमा नहीं चलाया जा रहा है।

कौन हैं दया नायक? जिन्हें मिली सैफ अली खान पर हमले की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना बुधवार देर रात की है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच घटनास्थल पर जांच करने पहुंची। घटना के बाद सैफ अली खान को लीलीवती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सर्जरी के बाद उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

सैफ अली खान का घर सतगुरु शरण बिल्डिंग में है। घटना के वक्त वे यही पर थे। पुलिस के मुताबिक हमलावर ने पहले सैफ अली खान की नौकरानी से झगड़ा किया। इस बीच जब उन्होंने हस्तक्षेप किया तो हमलावर ने उन पर चाकू से हमला कर दिया।

सैफ की टीम ने क्या कहा- सैफ अली खान की पीआर टीम ने एक संदेश ने कहा कि सैफ अली खान के घर में चोरी की कोशिश की गई। वे फिलहाल अस्पताल में हैं और सर्जरी करवा रहे हैं। हम मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करते हैं कि वे धैर्य रखें। यह पुलिस का मामला है।

कौन हैं दया नायक- मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम की कमान दया नायक के पास है। उनके ही नेतृत्व में सैफ अली खान पर हमले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक दया नायक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट हैं। वे गुरुवार को घटनास्थल भी पहुंचे। उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्राइम ब्रांच की टीम ने भी घटनास्थल पर गहनता से जांच की।

अपराधियों में दया नायक का खौफ- जानकारी के मुताबिक दया नायक 1996 बैच के पुलिस अधिकारी हैं। उनके नेतृत्व में कई मुठभेड़ों में अपराधियों को ढेर करने में कामयाबी मिली। पिछले साल ही दया नायक को प्रमोशन दिया गया था। कुख्यात अपराध जगत के नेटवर्क को ध्वस्त करने में दया नायक की भूमिका अहम रही है।

1996 में जूहू पुलिस थाने में तैनाती पाने वाले दया नायक प्रदीप शर्मा के साथ भी काम कर चुके हैं।

केरल में भाजपा-आरएसएस के आठ कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास, माकपा नेता की हत्या मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की एक अदालत ने बुधवार को आठ भाजपा-आरएसएस कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इन कार्यकर्ताओं को मई 2013 में आलमकोड के निकट एक माकपा नेता की पिटाई और चाकू घोंपकर हत्या करने के मामले में दोषी ठहराया गया था।

प्रत्येक पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

तिरुअनंतपुरम के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ आज सुदर्शन ने शंभू कुमार उर्फ शंभू, श्रीजीत उर्फ उन्नी, हरिकुमार, चंद्रमोहन उर्फ अंबिली और संतोष उर्फ चंदू को आइपीसी की धारा 302 (हत्या) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत अपराध के लिए दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने कहा कि ये सजाएं एक साथ चलेंगी और प्रत्येक पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने तीन अन्य दोषियों अभिषेक उर्फ अन्नी संतोष, प्रशांत उर्फ पझिनजी प्रशांत और सजीव को भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

राशि मृतक की विधवा और बच्चों को दी जाएगी

अदालत ने कहा कि यदि दोषियों से 6.5 लाख रुपये का पूरा जुर्माना वसूल किया जाता है, तो यह राशि मृतक की विधवा और बच्चों को दी जाएगी। अदालत ने यह भी कहा कि यदि सरकार द्वारा आठों आरोपितों की आजीवन कारावास की सजा माफ कर दी जाती है या उसे छोटा कर दिया जाता है, तो विचाराधीन कैदी के रूप में हिरासत में उनके द्वारा बिताई गई अवधि को उन्हें दी जाने वाली सजा में घटा दिया जाएगा। केरल से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां 67 साल के बुजुर्ग को मृत घोषित करने के बाद जब उन्हें मर्चुरी ले जाने की तैयारी हो रही थी, तभी वह अचानक से जिंदा हो गए। जिसके बाद मौजूद लोग ये देख चौंक गए। व्यक्ति की पहचान पचपोइका के वेल्लुवक्कंडी के पवित्रन के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि पवित्रन को लकवा और सांस संबंधी समस्याओं के कारण सोमवार को मंगलुरु के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण चतुर्थी

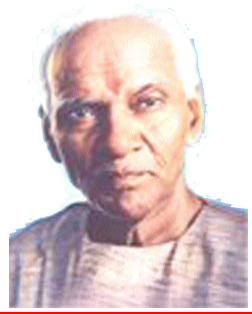

संपादकीय

भारत में आंतरिक पलायन कोई नई बात नहीं है...

भारत में आंतरिक पलायन कोई नई बात नहीं है। देश में यह सिलसिला सदियों से चलता आया है। उदाहरण के लिए 19वीं शताब्दी में राजस्थान से मारवाड़ी कारोबार करने के लिए देश के सुदूर पूर्वी हिस्से तक पहुंच गए और वीरता दिखाने में माहिर मराठा समुदाय ने पश्चिमोत्तर और दक्षिण तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इसी तरह बंगाली, तमिल और तेलुगू समुदाय के लोग भी जॉन कंपनी (ईस्ट इंडिया कंपनी) और बाद में ब्रिटिश सरकार के कर्मचारियों के रूप में पूरे देश में फैल गए।

आर्थिक विकास, देश भर में शिक्षा का प्रसार और आबादी में युवाओं का अनुपात बढ़ने से पिछले कुछ वर्षों में आंतरिक पलायन बढ़ा है। कोविड महामारी के दौरान आंतरिक पलायन और भी ज्यादा उजागर हो गया। इस महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्यों में भेजने के लिए विशेष रेलगाड़ियों और बसों का प्रबंध करना पड़ा। लॉकडाउन की घोषणा के बाद शुरुआती दिनों में हजारों मजदूर अपने घर पैदल ही जाने के लिए सड़कों पर निकल पड़े। बाहों में बच्चे और सिर पर सामान की गठरी लादे लोगों को देखना असहज था और दिल को झकझोर देने वाले दुःस्वप्न जैसी स्थिति थी।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हमारे दिलो-दिमाग में कहीं न कहीं 'ग्रामीण समुदायवाद' की छाप है, जो मुक्त बाजार व्यवस्था और पूंजीवादी औद्योगीकरण के खिलाफ है। हममें कई लोगों के मन में ठहरे और न बदलने वाले ग्रामीण जीवन की वही पुरानी तस्वीर बसी हुई है, जो हिंद स्वराज में नजर आती है, जिसे महात्मा गांधी ने युवावस्था में लिखा। ठीक उसी तरह जैसा महात्मा गांधी के हिंद स्वराज में बताया गया है। उस सोच में पलायन तो हो ही नहीं सकता।

हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि पलायन का लोगों पर गहरा भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। खास कर जब गांव से लोग अनियोजित एवं अव्यवस्थित शहरों की तरफ रुख करते हैं तो यह असर और गंभीर हो सकता है। शहरों में पहुंचते ही पांव टिकाने, जल आपूर्ति, साफ- सफाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित बुनियादी सुविधाएं हासिल करने की समस्याओं से जूझना पड़ता है। कभी-कभी ये समस्याएं काफी विकट हो जाती हैं। हमें इन शहरों में प्रवासियों के लिए व्यवस्थित जीवन-यापन का इंतजाम करने के साथ सुनियोजित शहरीकरण को बढ़ावा देना होगा। साथ ही हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि पलायन लगातार इतिहास का हिस्सा रहा है और आर्थिक विकास में तेजी के साथ इसमें भी खास तौर पर तेजी आई है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए। वर्ष 2005 में कुल वैश्विक आबादी का 12 प्रतिशत हिस्सा (76.3 करोड़ लोग) अपने मूल जन्म स्थान से बाहर जीवन-यापन कर रहा था। लोग अक्सर इधर से उधर जाते रहते हैं और देश से बाहर जाने के बजाय देश के अंदर यह सिलसिला अधिक दिखता है। देश का आर्थिक विकास तेज होने के साथ ही ग्रामीण से शहरी इलाकों की तरफ पलायन बढ़ जाता है। दुनिया में आज उच्च आय वाले जो भी देश हैं, उन सभी में 19वीं शताब्दी से लेकर 20वीं शताब्दी के मध्य तक तेज आर्थिक विकास के साथ ग्रामीण से शहरी इलाकों की तरफ पलायन भी खूब हुआ। दुनिया के सभी क्षेत्रों में विकास का पहिया घूमता रहता है। क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति और दूसरों के मुकाबले उन्हें मिलने वाले अधिक फायदों के अनुरूप विकास की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

अनुसार यह सिलसिला चलता ही रहेगा। हमने अपने पुराने अनुभव के कारण हम जानते हैं कि माल ढुलाई एक समान करने की नीतियों आदि के जरिये तमाम राज्यों की औद्योगिक वृद्धि और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को एक बराबर करने के प्रयासों का किस तरह प्रतिकूल असर हो सकता है।

रांगेय राघव

रांगेय राघव असाधारण प्रतिभा के धनी रचनाकार थे। हिन्दी के विशिष्ट और बहुमुखी प्रतिभावालों में से एक थे। इनका मूल नाम टी.एन.बी.आचार्य (तिरूमल्लै नंबकम् वीरराघव आचार्य) था। हिन्दी साहित्य का सभंवतः ऐसा कोई अंग नहीं है, जहाँ हिन्दी साहित्य के साधक डॉ. रांगेय राघव ने अपनी साधना का प्रयोग न किया हो। ये गौर वर्ण, उन्नत ललाट, लम्बी नासिका और चेहरे पर गंभीरतामयी मुस्कान बिखेरे हुए हिन्दी साहित्य के अनन्य उपासक थे। वे रामानुजाचार्य परम्परा के तमिल देशीय आयंगर ब्राह्मण थे।

जीवन परिचय

रांगेय राघव का जन्म 17 जनवरी, 1923 ई. में आगरा में हुआ था। पिता श्री रंगाचार्य के पूर्वज लगभग तीन सौ वर्ष पहले जयपुर और फिर भरतपुर के बयाना कस्बे में आकर रहने लगे थे। रांगेय राघव का जन्म हिन्दी प्रदेश में हुआ। उन्हें तमिल और कन्नड़ भाषा का भी ज्ञान था। रांगेय की शिक्षा आगरा में हुई थी। सेंट जॉन्स कॉलेज से 1944 में स्नातकोत्तर और 1949 में आगरा विश्वविद्यालय से गुरु गोरखनाथ पर शोध करके उन्होंने पी.एच.डी. की थी। रांगेय राघव का हिन्दी, अंग्रेज़ी, ब्रज और संस्कृत पर असाधारण अधिकार था।

कार्यक्षेत्र

13 वर्ष की आयु में लिखना शुरू किया। 1942 में अकालग्रस्त बंगाल की यात्रा के बाद एक रिपोर्ताज लिखा- तूफ़ानों के बीच। यह रिपोर्ताज हिंदी में चर्चा का विषय बना। साहित्य के अतिरिक्त चित्रकला, संगीत और पुरातत्व में विशेष रुचि। मात्र 39 वर्ष की आयु में कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, रिपोर्ताज के अतिरिक्त आलोचना, संस्कृति और सभ्यता पर कुल मिलाकर 150 से अधिक पुस्तकें लिखीं। रांगेय राघव के कहानी-लेखन का मुख्य दौर भारतीय इतिहास की दृष्टि से बहुत हलचल-भरा विरल कालखंड है। कम मौकों पर भारतीय जनता ने इतने स्वप्न और दुःस्वप्न एक साथ देखे थे। आशा और हताशा ऐसे अड़ोस-पड़ोस में खड़ी देखी थी। रांगेय राघव की कहानियों की विशेषता यह है कि इस पूरे समय की शायद ही कोई घटना हो जिसकी गूँजें-अनुगूँजे उनमें न सुनी जा सकें। सच तो यह है कि रांगेय राघव ने हिंदी कहानी को भारतीय समाज के उन धूल-काँटों भरे रास्तों, आवारे-लफंडरों-परजीवियों की फक्कड़ ज़िंदगी, भारतीय गाँवों की कच्ची और कीचड़-भरी पगडंडियों की गश्त करवाई, जिनसे वह भले ही अब तक पूर्णतः अपरिचित न रही हो पर इस तरह हिली-मिली भी नहीं थी और इन दुनियाओं में से जीवन से लबलबाते ऐसे-ऐसे कद्दावर चरित्र प्रकट किए जिन्हें हम विस्मृत नहीं कर सकेंगे। गदल भी एक ऐसा ही चरित्र है।

सृजन-यात्रा

अपनी सृजन-यात्रा के बारे में रांगेय राघव ने स्वयं कोई ख़ास ब्योरा नहीं छोड़ा है। ख़ासकर अपने प्रारंभिक रचनाकाल के बारे में, लेकिन एक जगह उन्होंने लिखा है, ''चित्रकला का अभ्यास कुछ छूट गया था। 1938 ई. की बात है, तब ही मैंने कविता लिखना शुरू किया। सांध्या-भ्रमण का व्यसन था। एक दिन रंगीन आकाश को देखकर कुछ लिखा था। वह सब खो गया है और तब से संकोच से मन ने स्वीकार किया कि मैं कविता कर सकता हूँ। 'प्रेरणा कैसे हुई' पृष्ठ लिखना अत्यंत दुरुह है। इतना ही कह सकता हूँ कि चित्रों से ही कविता प्रारंभ हुई थी और एक प्रकार की बेचैनी उसके मूल में थी। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक प्राचीन ब्राह्मण कहानियाँ की प्रस्तावना में रांगेय राघव लिखते है कि आर्य परम्पराओं का अनेक अनार्य परम्परओं से मिलन हुआ है। भारत की पुरातन कहानियों में हमें अनेक परम्परओं के प्रभाव मिलते हैं। महाभारत के युद्ध के बाद हिन्दू धर्म में वैष्णव और शिव चिन्तन की धारा वही और इन दोनों सम्प्रदयों ने पुरातन ब्राह्मण परम्पराओं को अपनी अपनी तरह स्वीकार किया। इसी कारण से वेद और उपनिषद में वर्णित पौराणिक चरित्रों के वर्णन में बदलाव देखने को मिलता है। और बाद के लेखन में हमें अधिक मानवीय भावों की छाया देखने को मिलती है। मैं ये महसूस करता हूँ कि मेरे से पहले के लेखकों ने अपने विश्वास और धारणाओं के आलोक में मुख्य पात्रो का वर्णन किया है और ऊँचे मानवीय आदर्श खडे किये हैं और अपने पात्रों को साम्प्रदायिकता से बचाये रखा है इसलिये मैंने पुरातन भारतीय चिन्तन को पाठकों तक पहुचाने का प्रयास किया है।÷ उनके बारे में कहा जाता था कि वो दोनो हाथों से रात दिन लिखते थे और उनके लिखे ढेर को देखकर समकालीन ये भी कयास लगाते थे कि शायद वो तन्त्र सिद्ध है नहीं तो इतने कम समय में कोई भी इतना ज़्यादा और इतना बढिया कैसे लिख सकता है। उन्हें हिन्दी का पहला मसिजीवी क़लमकार भी कहा जाता है जिनकी जीविका का साधन सिर्फ़ लेखन था।

हिंदी के शेक्सपीयर

शायद बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि हिन्दी साहित्य का यह अनूठा व्यक्तित्व वस्तुतः तमिल भाषी था, जिसने हिन्दी साहित्य और भाषा की सेवा करके अपने अलौकिक प्रतिभा से हिन्दी के शेक्सपीयर की संज्ञा ग्रहण की। रांगेय राघव नाम के पीछे उनके व्यक्तित्व और साहित्य में दृष्टिगत होने वाली समन्वय की भावना परिलक्षित होती है। अपने पिता रंगाचार्य के नाम से उन्होंने रांगेय स्वीकार किया और अपने स्वयं के नाम राघवाचार्य से राघव शब्द लेकर अपना नाम रांगेय राघव रख लिया। उनके साहित्य में जैसे सादगी परिलक्षित होती है वैसे ही उनका जीवन सीधा-सधा और सादगीपूर्ण रहा है।

साहित्य की साधना

भरतपुर ज़िले में एक तहसील है वैर। शहर के कोलाहल से दूर प्राकृतिक वातावरण, ग्रामीण सादगी और संस्कृति तथा वहाँ के वातावरण की अद्?भुत शक्ति ने रांगेय राघव को साहित्य की साधना में इस सीमा तक प्रयुक्त किया कि वह उस छोटी सी नगरी वैर में ही बस गये। वैर भरतपुर के जाट राजाओं के एक छोटे से क़िले के कारण तो प्रसिद्ध है ही, परन्तु वहाँ तमिलनाडु के स्वामी रंगाचार्य का दक्षिण शैली का सीतारामजी का मंदिर भी बहुत प्रसिद्ध है। इस मंदिर के महंत डॉ. रांगेय राघव के बड़े भाई रहे हैं। मंदिर की शाला में बिल्कुल तपस्वी जैसा जीवन व्यतीत करने वाले तमिल भाषी व्यक्ति ने हिन्दी साहित्य की देवी की पुजारी की तरह आराधना-अर्चना की। नारियल की जटाओं के गद्दे पर लेटे-लेटे और अपने पैर के अँगूठे में छत पर टंगे पंखे की डोरी को बाँधकर हिलाते हुए वह घंटों तक साहित्य की विभिन्न विधाओं और अयामों के बारे में सोचते रहते थे। जब डॉ. रांगेय राघव सोचते तो सोचते ही रहते थे - कई दिनों तक न वह कुछ लिखते और न पढ़ते। और जब उन्हें पढ़ने की धुन सवार होती तो वह लगातार कई दिनों तक पढ़ते ही रहते। सोचने और पढ़ने के बाद जब कभी उनका मूड बनता तो वह लिखने बैठ जाते और निरन्तर लिखते ही रहते। लिखने की उनकी कला अद्?भुत थी। एक बार तो लिखने बैठे तो वह उस रचना को समाप्त करके ही छोड़ते थे। इसी कारण जितनी कृतियाँ उन्होंने लिखीं वह सब पूरी की पूरी लिखी गईं। उनका अंतिम उपन्यास आखिरी आवाज़ कुछ अर्थों में इस कारण अधूरा रह गया कि वह कई महीनों तक मौत से जूझते रहे। काश ऐसा होता कि वह मौत से जूझने के बाद जीवित रहे होते तो शायद एक और उपन्यास मौत के संघर्ष के बारे में हिन्दी साहित्य को मिल गया होता।

जानपील सिगरेट

सिगरेट पीने का उन्हें बेहद शौक़ था। वह सिगरेट पीते तो केवल जानपील ही, दूसरी सिगरेट को वह हाथ तक नहीं लगाते थे। एक दर्जन सिगरेट की डिब्बी उनकी लिखने की मेज पर रखी रहती थीं और ऐश-ट्रे के नाम पर रखा गया चीनी का प्याला दिन में तीन-चार बार साफ़ करना पड़ता। उनका कमरा था कि सिगरेट की गंध और धुएँ से भरा रहता था। किसी भी आँगन्तुक ने आकर उनके कमरे का दरवाज़ा खोला तो सिगरेट का एक भभका उसे लगता, परन्तु हिन्दी साहित्य के इस साधक के लिये सिगरेट पीना एक आवश्यकता बन गई थी। बिना सिगरेट पिये वह कुछ भी कर सकने में असमर्थ थे। परन्तु शायद सिगरेट पीने की यह आदत ही उनकी मृत्यु का कारण बनी, जिसने 1962 में हिन्दी के इस अनुपम योद्धा को हमसे हमेशा के लिये छीन लिया।

अदाणी ग्रुप के शेयरों में तूफानी तेजी, हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने का दिखा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के मालिकाना हक वाले अदाणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गुरुवार (16 जनवरी 2025) को जोरदार तेजी देखी जा रही है। इसकी वजह अमेरिकी शॉर्ट हिंडनबर्ग रिसर्च का बंद होना है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ गंभीर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। उस समय अदाणी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों भारी गिरावट आई थी। आइए जानते हैं कि अदाणी ग्रुप के किस स्टॉक्स में कितनी तेजी आई है।

शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान अदाणी ग्रुप की सभी कंपनियों में अच्छा उछाल दिखा। अदाणी पावर के शेयर की कीमत में 9.2 प्रतिशत (599.9 रुपये प्रति शेयर), अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर की कीमत में 8.8 प्रतिशत (1,126.8 रुपये प्रति शेयर), अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत में 7.7 प्रतिशत (2,569.85 रुपये प्रति शेयर), अदाणी टोटल गैस के शेयर की कीमत में 7.1 प्रतिशत (708.45 रुपये प्रति शेयर), अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर की कीमत में 6.6 प्रतिशत (832 रुपये प्रति शेयर) और अदाणी पोर्ट्स के शेयर की कीमत में 5.4 प्रतिशत (1,190 रुपये) की वृद्धि हुई। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली के चलते इनमें कुछ करेक्शन भी हुआ।

अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड- इसके अलावा, अंबुजा सीमेंट्स के शेयर की कीमत में 4.5 प्रतिशत (542.9 रुपये प्रति शेयर), एसीसी के शेयर की कीमत में 4.1 प्रतिशत (2,054 रुपये प्रति शेयर) और एनडीटीवी के शेयर की कीमत में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 157.9 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गई।

हिंडनबर्ग रिसर्च क्यों बंद हुई- हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नेथन एंडरसन ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करके हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद करने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारा इरादा था कि हम जिस मकसद के लिए काम कर रहे हैं, उसके पूरा होने के बाद हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद कर दिया जाएगा।

दो हफ्ते में 33त से ज्यादा टूट गया यह शेयर, मजबूत आंकड़ों के बाद भी शेयरों का बुरा हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल्याण ज्वैलर्स के शेयर लगातार लुढ़क रहे हैं। ज्वैलरी कंपनी के शेयर गुरुवार को 6 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 518.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं। दो हफ्ते में कल्याण ज्वैलर्स के शेयर 33 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। गुरुवार को आई गिरावट के साथ ही कल्याण ज्वैलर्स के शेयर पिछले 10 ट्रेडिंग सेशंस में से 9 में लुढ़के हैं। 3 जनवरी 2025 से लेकर अब तक कंपनी के शेयरों में केवल एक सेशन में तेजी आई है। दिसंबर 2024 तिमाही के मजबूत बिजनेस अपडेट के बाद भी कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी के बोर्ड की बैठक 30 जनवरी 2025 को है, जिसमें दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए जाएंगे। कल्याण ज्वैलर्स ने इस बात का खंडन किया है कि कंपनी के शेयर खरीदने के लिए मनी मैनेजर्स को रिश्वत दी गई थी। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। कल्याण ज्वैलर्स के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने इसे बहुत हास्यास्पद बताया। कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों में आई गिरावट से कंपनी का मार्केट कैप 55000 करोड़ रुपये से नीचे आ गया है। कल्याण ज्वैलर्स के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने मंगलवार को एनालिस्ट कॉल के दौरान एक एयरक्राफ्ट खरीदने से जुड़े कंपनी के प्लान, इनकम टैक्स रेड्स और इनवेंटरी ओवरवैल्यूएशन से जुड़ी कयासबाजी को खारिज किया।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी, 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन की मंजूरी दे दी है। इससे संभावित रूप से लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। नरेंद्र मोदी के अगुआई सरकार ने जनवरी 2016 में 7वां वेतन आयोग लागू किया था। इसकी सिफारिशें 31 दिसंबर, 2025 को खत्म होंगी। इससे पहले, 4वें, 5वें और 6वें वेतन आयोगों का कार्यकाल 10 साल का था।

8th Pay Commission लागू होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में बंपर इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार फिटमेंट फैक्टर कम से कम 2.86 तय किया जा सकता है। ऐसा होने पर कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी में भी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। यह 51,480 रुपये हो सकती है। अभी मिनिमम बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है। पेंशनभोगियों को भी इसी तरह फायदा मिलेगा। उनकी मिनिमम पेंशन अभी 9,000 रुपये से बढ़कर 25,740 रुपये हो सकती है।

7वें वेतन आयोग लागू होने पर कितनी बढ़ी थी सैलरी- पीएम मोदी की अगुआई वाली सरकार ने 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें जनवरी 2016 से लागू की गई थी। इससे सरकारी कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी आई थी। 7वें वेतन आयोग के तहत 2.57 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया गया था। इसमें केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के मूल वेतन में 2.57 से गुना किया गया। यह मूल वेतन में 2.57 फीसदी की इजाफे के बराबर था। इसके हिसाब से पिछले वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 1.86 था।

इलेक्ट्रिक वाहन की डील से इस शेयर ने पकड़ी रफ्तार, खरीदने को मची भगदड़, 7% चढ़ा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों में आज गुरुवार, 16 जनवरी को 7% से अधिक की तेजी देगी गई। कंपनी के शेयर 782.20 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक डील है। दरअसल, कंपनी ने 2,997 इलेक्ट्रिक फोर- व्हीलर को ट्रांसफर्ड करने के लिए रेफेक्स ग्रीन मोबिलिटी लिमिटेड (इसे रेफेक्स ईवीलज के नाम से जाना जाता है) के साथ एक स्ट्रैटेजिक डील की घोषणा की है।

इस डील का उद्देश्य क्लीन और ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन सॉल्यूशन को बढ़ावा देते हुए प्रमुख शहरी बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की तैनाती को बढ़ावा देना है। डील के तहत, Refex eVeelz जेनसोल की मौजूदा सुविधा को ग्रहण करेगा। इसकी वैल्यू लगभग ?315 करोड़ है और इन वाहनों को चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और पुणे में अपने मौजूदा बेड़े ऑपरेशन में इंटीग्रेट करेगा। इसके अलावा, Refex eVeelz ने इन वाहनों को एक प्रमुख इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म ब्लू-स्मार्ट मोबिलिटी लिमिटेड को पट्टे पर देने की योजना बनाई है, जो दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु में उनका उपयोग सुनिश्चित करेगा।

असली मालिक का पता न चलने पर भी कुर्क की जा सकती है बेनामी संपत्ति, कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध (पीबीपीटी) अधिनियम 1988 के तहत उस स्थिति में भी किसी संपत्ति को कुर्क कर सकता है, जबकि उस संपत्ति के वास्तविक मालिक की पहचान नहीं हुई हो। कानून में इस स्थिति से निपटने के लिए विशिष्ट प्रविधान हैं। बेनामी रोधी कानून से संबंधित न्यायाधिकरण ने यह बात कही।

आयकर विभाग की छापेमारी के बाद हुआ खुलासा- पिछले साल 26 नवंबर को आयकर विभाग की लखनऊ इकाई द्वारा जारी

भूमि संपत्ति कुर्की आदेश को न्यायाधिकरण ने बरकरार रखा। यह मामला तब सामने आया जब विभाग ने लखनऊ स्थित तीन रियल्टी समूहों के परिसरों पर छापे मारे। इन समूहों ने काकोरी क्षेत्र में बड़े भूखंड बेहिसाब नकदी से खरीदे थे।

किसी भी लाभार्थी स्वामी का नाम नहीं- लखनऊ स्थित बेनामी निषेध इकाई (बीपीयू) ने अक्टूबर 2023 में काकोरी में 3.47 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की पांच भूमि कुर्क करने का आदेश जारी किया था। इस आदेश में एक बेनामीदार के अलावा दो कंपनियों और दो व्यक्तियों को हितधारक के रूप में नामित किया गया था। हालांकि, किसी भी लाभार्थी स्वामी का नाम नहीं था। आयकर विभाग द्वारा बेनामी संपत्ति की कुर्की- आमतौर पर जब आयकर विभाग द्वारा बेनामी संपत्ति की कुर्की का आदेश जारी किया जाता है तो उसमें बेनामीदार और लाभार्थी स्वामी का नाम होता है, लेकिन इस मामले में न्यायाधिकरण ने आयकर कुर्की आदेश की आंशिक पुष्टि की है, जिसमें 3.47 करोड़ रुपये में से 3.10 करोड़ रुपये की संपत्ति शामिल है।

84 पैसे के शेयर को खरीदने की लग गई होड़, अभी 75% सस्ता मिल रहा शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेनी स्टॉक स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स 5% तक चढ़ गया। यह शेयर 0.88 रुपये पर चढ़ गया। इसका पिछला बंद भाव 0.84 रुपये है। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स के शेयरों में तेजी के पीछे एक बड़ा ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए 56 करोड़ का फंड जुटाने की घोषणा की है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 15 जनवरी, 2025 को हुई अपनी बैठक में प्रत्येक 1,00,000 के फेस वैल्यू पर 5,600 सुरक्षित, बिना रेटिंग वाले, असूचीबद्ध एनसीडी के आवंटन को मंजूरी दी। निजी प्लेसमेंट के आधार पर आयोजित यह इश्यू कुल मिलाकर 56 करोड़ है। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स, 1987 में स्थापित और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में रजिस्टर्ड, फाइनेंशियल सर्विसेज की एक डिटेल चेन प्रोवाइड करता है। दिसंबर 2023 में, कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर जारी किए थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भोपाल की हैं महाकुंभ की सुंदर साध्वी, पिता प्राइवेट बस कंडक्टर, मां चलाती हैं बुटीक

भोपाल- प्रयागराज में महाकुंभ के मेले में शामिल होकर भोपाल की हर्षा रिछारिया सोशल मीडिया की नई सनसनी बन गई हैं। दो दिन पहले उनका एक वीडिया सामने आया है, जिसमें वह रथ पर साधु-संतों के साथ बैठी दिखाई दे रही हैं।

कई लोगों ने उन्हें साध्वी की संज्ञा दे दी। फोटो-वीडियो को सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्मों पर पोस्ट करना शुरू कर दिया।हर्षा ने बाद में स्पष्ट किया कि वह साध्वी नहीं हैं, लेकिन आध्यात्म से जुड़ी हैं। हर्षा भोपाल की रहने वाली हैं। हर्षा ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और एंकरिंग से की थी। करीब पांच वर्षों तक उन्होंने अपना प्रोफेशन जारी रखा।करीब दो वर्ष पहले उनका रूझान आध्यात्म की ओर बढ़ा। जिसके बाद वे अक्सर उत्तराखंड की

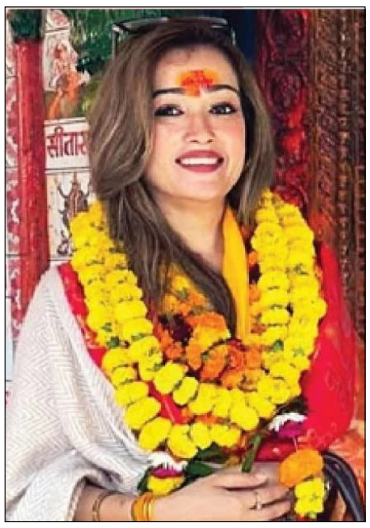

धार्मिक यात्राओं पर जाती थीं। इसी दौरान उन्हें निरंजनी अखाड़ा के साधुओं की संगत मिली, जिसके बाद वह आचार्य महामंडलेश्वर की शिष्या बन गईं।हर्षा रिछारिया कहती हैं कि दो साल पहले सुकून की तलाश में उनका झुकाव आध्यात्म की ओर बढ़ा। उन्होंने काम छोड़कर आध्यात्म का रास्ता चुना था। हर्षा ने यह भी बताया कि पारिवारिक स्थिति के कारण उन्होंने 2015 में नौकरी शुरू की थी।

लोगों ने उन्हें मॉडलिंग में करियर बनाने का सुझाव दिया, जिसके बाद हर्षा एक एंकर बनीं। कई कार्यक्रमों को होस्ट किया। उन्हें भोपाल में मॉडलिंग के भी कई कॉन्ट्रैक्ट भी मिले। बीते दो वर्षों से उन्होंने मॉडलिंग और एंकरिंग का कार्य छोड़ दिया था। वह उत्तराखंड में ही रहने लगी हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियोहर्षा ने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर खुद को सोशल एक्टिविस्ट और इन्फ्लूएंसर बताया है। उनके एक्स पर बायो में लिखा है कि वह आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री कैलाशानंदगिरि जी महाराज, निरंजनी अखाड़ा की शिष्या हैं।

एक इंटरव्यू में हर्षा ने कहा कि जीवन में काफी कुछ मिलने के बाद एक खालीपन होता है। यह आपको बताता है कि यह सब सच नहीं है, जिसको पाने के लिए इतनी मेहनत की थी। तब आप शांति की तलाश में आध्यात्म की तरफ आते हैं।

हर्षा रिछारिया की मां किरण रिछारिया परिवार के साथ भोपाल में रहती हैं। उन्होंने बताया कि हर्षा के पिता दिनेश रिछारिया प्राइवेट बस में कंडक्टर हैं। मेरा हर्षा से छोटा एक बेटा कपिल है, जो प्राइवेट कंपनी में काम करता है।

मां किरण रिछारिया ने हर्षा के साध्वी बनने की बात पर कहा कि वह कभी साध्वी नहीं बनेगी। उसका सनातन की ओर रुझान है। वह उसके लिए काम करती रहेगी। वह अभी भोपाल से ज्यादा हरिद्वार में समय बिताती है। उसने कैलाश नंद गिरी महाराज से गुरुदीक्षा ली है। वह महादेव की कृपा से फेमस हुई है।

शादी का फैसला बेटी पर छोड़ा- पिता

हर्षा के पिता दिनेश रिछारिया ने कहा कि हमने बेटी का हमेशा साथ दिया है। उसके फैसलों ने हमें कभी परेशान नहीं किया है। हम उससे खुश हैं। शादी के सवाल पर कहा कि उसकी शादी की कोई प्लानिंग है। वह उसको ही तय करना है।

बाइक सवार बदमाशों ने बच्चीयों को अपहरण करने की कोशिश की

खंडवा। खंडवा में बालिकाओं को अपहरण कर बोरे में भरकर ले जाने का मामला सामने आया है। स्कूल जा रही बालिकाओं को बाइक सवार दो बदमाशों ने रोका और उन्हें बोरे में भरकर ले जाने का प्रयास किया। बालिकाओं ने शोर मचाया और पत्थर उठाकर बदमाशों पर फेंके।

शोर और पत्थर से डरकर बाइक सवार मौके से भाग निकले। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घबराई बालिकाएं रोते हुए घर पहुंची और स्वजन को घटना की जानकारी दी।स्वजन बालिकाओं को लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल टीम भेजकर मौके पर जांच पड़ताल शुरू की गई। हालांकि बदमाश मौके से फरार हो चुके थे।

पुलिस क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। टीआई का कहना है कि अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। बदमाशों को जल्द ढूंढ निकालेंगे।आपस में बहन हैं दोनों बालिकाएं, छोटी ने बदमाशों को मारे पत्थर

मामला शहर के पदम नगर थाना क्षेत्र के छोटा अवार का है। घटना गुरुवार सुबह करीब 10.30 बजे की बताई जा रही है। बालिकाएं आपस में बहन हैं। बड़ी सातवीं कक्षा और छोटी दूसरी कक्षा में पढ़ती है।

सुबह दोनों शासकीय पदम नगर शासकीय स्कूल जा रही थी। छोटा अवार से निकलने के बाद एक कचरे के ढेर के पास बाइक सवार आए और बालिकाओं को बोरे में भरकर अपहरण कर ले जाने का प्रयास किया।

इस पर दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली छोटी बालिका उनके कब्जे से छूटकर शोर मचाने लगी और पत्थर उठाकर बदमाशों को भगाया, नहीं तो बदमाश दोनों को बोरे में भरकर ले जाने में सफल हो जाते।

बालिका की जुबानी..... अपहरण की पूरी कहानी

बड़ी बालिका ने बताया कि पदम नगर के छोटा अवार में रहती हूं। हम दोनों बहनें स्कूल जा रही थीं। तभी कचरे के ढेर के बदमाशों ने रोक लिया। पहले उन्होंने चॉकलेट का लालच दिया और फिर बोरा निकाल लिया। इसमें हम दोनों को भरकर ले जाने का प्रयास किया।

बालिकाओं ने बताया, बदमाशों ने हमें कहा कि शोर मत मचाओ, चुपचाप आजाओ, नहीं तो तुम्हारी हत्या कर देंगे। वो कुछ बता भी नहीं रहे थे, कह रहे थे कि हमारे साथ चलो। हम कुछ समझ नहीं पाए और पत्थर उठा लिया।

बालिकाओं ने बताया कि बदमाश बार-बार हत्या करने की धमकी दे रहे थे, दो बार उन्होंने यह बात बोली तो हमने उनसे कहा कि हत्या करके दिखा, पत्थर मारा तो दोनों भाग निकले।

बालिकाओं की मां बोली- दहशत में महिलाएं

बालिकाओं की मां ने बताया कि पहले भी क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं सुनने में आई है।हमारी मासूम बच्चियों को वो बोरे में भरकर ले जाते तो हम क्या करते।क्षेत्र की महिलाओं में घटना के बाद से दहशत का माहौल है।महिलाओं का कहना है कि हम लोगों को भी अब अकेले जाने में डर लगने लगा है।

बालिकाओं को सुरक्षा देने की मांग

बालिकाओं की मां ने कहा कि पूरा क्षेत्र घटना को लेकर दहशत में हैं। मां ने कहा कि हमारी बालिकाएं छोटी है और रोज स्कूल जाती है, बदमाशों की इन पर नजर है। हमारी बेटी को पुलिस सुरक्षा दे, उनके साथ जवान तैनात किए जाएं।क्षेत्र में सीसीटीवी लगवाने की मांग भी महिलाएं कर रही हैं।

रील बनाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, दो छात्रों की मौत, एक घायल

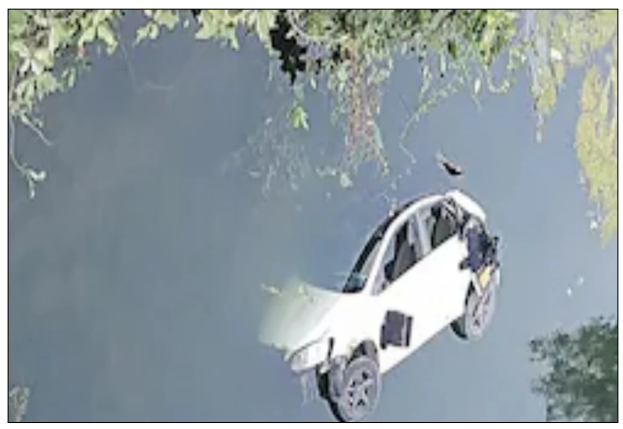

भोपाल। भोपाल में गुरुवार को रील बनाने के दौरान एक तेज रफ्तार कार के नहर में गिरने से दो छात्रों की मौत हो गई, एक अन्य घायल हुआ है। कोलार क्षेत्र के इनायतपुर गांव में कार में सवार छात्र चलती गाड़ी के गेट से बाहर निकलकर रील बना रहे थे।

इस दौरान कार का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह पुल से नीचे नहर में जा गिरी। घटना इतनी भयानक थी कि कार में सवार दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे छात्र को मामूली चोटें आईं, जिसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।चश्मदीद ग्रामीणों ने बताया कि कार बहुत तेज गति से चल रही थी, और रील बनाते समय छात्रों की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना घटी। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य किया।

इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं।

अधोसंरचना विकास की गति को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार अधिक कर्ज लेने की अनुमति भारत सरकार से मांगेगी

भोपाल। अधोसंरचना विकास की गति को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार अधिक कर्ज लेने की अनुमति भारत सरकार से मांगेगी। 16वें वित्त आयोग के सामने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात में चार प्रतिशत कर्ज लेने का अनुमति मांगी जाएगी।

अभी प्रदेश को जीएसडीपी के अनुपात में तीन प्रतिशत कर्ज लेने की अनुमति है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 30 हजार करोड़ रुपये कर्ज ले चुकी है। इस तरह प्रदेश पर चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो गया है। प्रदेश में अधोसंरचनात्मक कामों को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय बढ़ाया जा रहा है। यह लगभग 60 हजार करोड़ रुपये पहुंच गया है। आगामी वित्तीय वर्ष में इसे बढ़ाकर 65 हजार करोड़ रुपये तक किया जाएगा।

दरअसल, 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ होना है। सरकार उज्जैन और आसपास के जिलों में सड़क, पुल, पुलिया, फ्लायओवर सहित कई निर्माण के कार्य कर रही है।वहीं, प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए भी अधोसंरचना विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इसके लिए राज्य के बजट से राशि की पूर्ति संभव नहीं है, इसलिए अधिक कर्ज लेने की अनुमति मांगी जा रही है। पिछले वर्ष भी केंद्र सरकार से आग्रह किया गया था लेकिन अनुमति नहीं मिली।वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति अच्छी है। एक बार भी राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के प्रविधान का उल्लंघन नहीं हुआ है।जो भी कर्ज भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से सरकार ले रही है, उसका उपयोग पूंजीगत कार्यों यानी अधोसंरचनात्मक विकास पर ही किया जा रहा है। यदि केंद्र सरकार प्रदेश की मांग पर सहमत हो जाती है तो अधिक राशि उपलब्ध हो जाएगी, जिससे विकास कार्यों को गति मिलेगी।

गणतंत्र दिवस पर शहर में मानेगा महाकवि विद्यापति जयंती समारोह, मिथिला की संस्कृति, संगीत का होगा प्रदर्शन

इंदौर। शहर के अप्रवासी मैथिल भाषी समुदाय की संस्था विद्यापति परिषद् गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर महाकवि विद्यापति की स्मृति में भव्य विद्यापति जयंती समारोह का आयोजन करेगी। यह आयोजन 26 जनवरी को एमआर-10 चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे के समीप स्थित आनंद मंगल गार्डन में दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर मैथिली समाज के वरिष्ठ जनों को समाज हित में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिथिला के पारम्परिक मिथिला पाग एवं शॉल से सम्मानित किया जाएगा।

मिथिला लोक संस्कृति और संगीत का संगम-समारोह में मिथिला की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को उजागर करने के लिए मधुर मैथिली लोकगीतों का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध मैथिली गायक और गायिकाएं, जिनमें माधव राय, रचना झा, और श्री राधे भाई जैसे कलाकार शामिल हैं, अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे।

विद्यापति परिषद् के मार्गदर्शक लक्ष्मण झा, विजय कुमार झा, और अध्यक्ष सुमन कुमार झा ने बताया कि यह समारोह केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि मैथिली समाज के लोगों को जोड़ने और आपसी संबंधों को सुदृढ़ करने का एक मंच भी है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य इंदौर में बसे मैथिली भाषी समुदाय के लोगों और उनकी नई पीढ़ी को अपने मिथिला की कला, संस्कृति, खानपान, और मैथिली भाषा से परिचित कराना और इसे समृद्ध करना है।

इस समारोह में मैथिली समाज के सभी सदस्यों और उनके परिवारों को आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन सामुदायिक एकता, परिचय, और संस्कारों को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने शहर के मैथिल समाज से बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की। संस्कृति और परंपरा का यह अनोखा उत्सव गणतंत्र दिवस पर इंदौर में एक विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। महाकवि विद्यापति (1352-1448) एक प्रसिद्ध मैथिली और संस्कृत कवि थे, जिन्हें मैथिल कवि कोकिल के नाम से भी जाना जाता है। वे शिव के भक्त थे और उन्होंने प्रेम गीत और भक्ति वैष्णव गीत भी लिखे। विद्यापति का प्रभाव केवल मैथिली और संस्कृत साहित्य तक ही सीमित नहीं था, बल्कि अन्य पूर्वी भारतीय साहित्यिक परम्पराओं तक भी था।

सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में दिव्यांगजनों को सुगम एवं सुलभ वातावरण देने का कार्य तेजी से जारी

इंदौर। सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में दिव्यांगजनों को सुगम एवं सुलभ वातावरण उपलब्ध कराने की दृष्टि से सार्वजनिक भवनों में बाधारहित वातावरण निर्मित किया जा रहा है। भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नई दिल्ली द्वारा इंदौर जिले के 42 सार्वजनिक भवनों में दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण यथा रेम्प, बाधारहित टायलेट, पेवरब्लॉक, ट्रेक्टाटाईल्स, ब्रेलसाइनेस, हेण्ड रेत, लिफ्ट इत्यादि के लिए 18 करोड से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। पीआईयू पीडब्ल्यूडी के माध्यम से सार्वजनिक भवनों को दिव्यांगजनों के अनुकुल बनाया जा रहा है। अभी हाल ही में जिला पंचायत इंदौर में लिफ्ट का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना संतोष मालवीय द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्री भारत सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थिति थे। जिले में सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत उषा राजे स्टेडियम, मेघदुत उपवन, चिडियाघर, जीएसआईटीएस कॉलेज, माता जीजाबाई गर्ल्स कॉलेज, अनुविभागीय अधिकारी हातोद, देपालपुर इत्यादि में भी दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण निर्मित किया जा चुका है। शेष भवनों में भी तत्परता के साथ पीआईयू पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत सभी सार्वजनिक भवन शासकीय अशासकीय भवनों में दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण उपलब्ध होना अनिवार्य है। जिले में किसी भी दिव्यांगजनों को कोई भी सार्वजनिक भवनों में आने जाने में कठिनाई उत्पन्न नहीं होना चाहिए।

सभी शासकीय सेवकों की प्रोफाइल समग्र आईडी एवं आधार से होगी लिंक

इंदौर। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि वित्त विभाग द्वारा संधारित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएफएमआईएस) के अंतर्गत उपलब्ध शासकीय सेवकों की जानकारी समग्र आईडी तथा आधार से लिंक होगी। वेतन का भुगतान, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। आग्रह किया गया है कि जिले के समस्त शासकीय सेवक अपने प्रोफाइल का समग्र आईडी से अविलंब सत्यापन कराएं। सॉफ्टवेयर में उपलब्ध ईएसएस लिंक के माध्यम से समग्र आईडी की प्रविष्टि का कार्य किया जा सकता है। इसके अलावा अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक कराना भी आवश्यक है।

कहा गया है कि समस्त शासकीय सेवक का दायित्व होगा कि वह आईएफएमआईएस के अंतर्गत एम्पलाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी की प्रविष्टी कर जानकारी सत्यापित करें। आईएफएमआईएस में समग्र आईडी की प्रविष्टी एवं सत्यापन से पूर्व समस्त शासकीय सेवकों द्वारा उनकी समग्र आईडी का पंजीयन/अद्यतन एवं आधार से लिंक समग्र पोर्टल के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। जिस बैंक खातें में वेतन प्राप्त हो रहा है। उस बैंक खाते को आधार से भी लिंक कराया जाये। समस्त बजट नियंत्रण अधिकारी/ आहरण संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि वे अपने कार्यालय के सभी शासकीय सेवकों का यह कार्य 28 फरवरी 2025 तक अनिवार्य रूप से हो जाये। प्रथम चरण में यह कार्य नियमित शासकीय सेवकों करना होगा।

सामाजिक गतिविधियों में विश्व ब्राह्मण संघ का का कार्य प्रशंसनीय, सेवा और जन कल्याण में अतुलनीय योगदान -केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर

इंदौर । सामाजिक , धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को एकरूपता प्रदान करने के साथ लक्ष्य लगातार जारी रखना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है सामाजिक गतिविधियों के साथ रचनात्मक और आमजान को जोड़ने की भावना का कार्य निरंतर जारी रखेंगे।

यह बात आज केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास भारत सरकार श्रीमती सावित्री ठाकुर के गृह निवास कालि सराय में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यास पीठ का पूजन करने के दौरान अतिथियों ने व्यक्त किया।

व्यासपीठ का पूजन करने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व राज्य मंत्री दर्जा मध्य प्रदेश सरकार राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व ब्राह्मण समाज संघ पंडित योगेंद्र महंत, एवं पदाधिकारी मौजूद थे। मूर्धन्य कथा प्रवर्तन पं. नर्मदा प्रसाद शास्त्री ने इस अवसर पर अतिथियों का सत्कार के द्वारा न श्रीमद् भागवत कथा में बताया और कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कर्म और धर्म दोनों की शिक्षा दी है धर्म को हमेशा प्रथम पंक्ति में रखते हुए भगवान कृष्ण ने मनुष्य को मर्यादा में रहने का संदेश दिया है तो तो कर्म की निरंतर व्यक्ति को उसके लक्ष्य तक पहुंचने में हमेशा ही मददगार रहेगी भगवान ने महाभारत में गीता का उपदेश देकर सनातन काल से आज तक करोड़ों करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन करते आए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि विश्व ब्राह्मण समाज संघ के द्वारा किए जा रहे सेवा धर्म और संस्कार के कार्य प्रशंसनीय है इससे समाज में सकारात्मक भाव तो जागृत होता ही है निराशा दूर होती है और लक्ष्य के प्रति अग्रसर होने में सहायक होता है। इस प्रकार के कार्य समाज को नई गतिविधि प्रदान करते हैं।

अनुगूँज कार्यक्रम के माध्यम स्कूली बच्चों को मिला अपनी कला प्रदर्शन का बेहतर मंच

इंदौर। इंदौर के स्कूली बच्चों को अपनी कला के प्रदर्शन के लिये अनुगूँज कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर मंच उपलब्ध कराया गया। इस मंच के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी कला का उत्साह और जोश के साथ प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम संयुक्त संचालक लोक शिक्षण श्री अरविन्द सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने धमाकेदार, आध्यात्मिक,सांस्कृतिक और वात्सल्यमयी लोककलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां दी । इन प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों की प्रतिभा,उत्साह,ऊर्जा और जोश का संगम अद्भुत रहा। प्रत्येक प्रस्तुति पर दर्शकों को बच्चों ने आश्चर्यचकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक श्री अरविंद सिंह, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम एस निंगवाल , श्रीमती अनिता चौहान ,श्री के.एस. डाबर, श्रीमती किरणबाला चौहान, सहायक संचालक एवं नोडल अधिकारी श्रीमती पूजा सक्सेना ने माँ सरस्वती की चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया।

संभागायुक्त दीपक सिंह द्वारा सहकारिता विभाग के अधिकारियों की ली गई समीक्षा बैठक

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह द्वारा आज सहकारिता विभाग अंतर्गत संभाग के संयुक्त/उपायुक्त/सहायक आयुक्त की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अकार्यशील संस्थाओं को कार्यशील बनाने, अकार्यशील/परिसमापनाधीन सहकारी संस्थाओं के संबंध में पंजीयन निरस्तीकरण एवं अन्य नियमोचित वैधानिक कार्यवाहियों के संबंध में समीक्षा की गई। संभागायुक्त द्वारा बैठक में मार्च 2025 तक अकार्यशील, परिसमापनाधीन सहकारी संस्थाओं के संबंध में योजनाबद्ध कार्ययोजना बनाते हुए वर्षान्त तक लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिए गए।

बैठक में जानकारी दी गई कि इन्दौर संभाग में विभिन्न प्रकार की कुल 11308 सहकारी संस्थाएं पंजीकृत हैं। जिसमें कार्यशील संस्थाओं की संख्या 5269 तथा अकार्यशील संस्थाओं की संख्या 3054 एवं परिसमापन वाली संस्थाओं की संख्या 2985 है। इस संबंध में अकार्यशील एवं परिसमापन वाली लगभग 6000 संस्थाओं को सहकारी

अधिनियम एवं पंजीकृत तथा विभागीय निर्देशों के अनुसार पंजीयन निरस्ती हेतु पाक्षिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए उप/सहायक आयुक्त, सहकारिता को कार्यपूर्ति के निर्देश दिए गये। साथ ही परिसमापनाधीन संस्थाओं के संबंध में मॉनिटरिंग सिस्टम बनाते हुए निगरानी प्रक्रियांतर्गत प्रत्येक परिमसापकों को लक्ष्य देकर इसकी कार्यपूर्ति के निर्देश दिये गये।

संभागायुक्त द्वारा निर्देश दिये गये कि शासन के एजेण्डानुसार गठित की गई दुग्ध, मछली, वनोपज, आजीविका बहुप्रयोजन, सामूहिक कृषि इत्यादि संस्थाओं के संबंध में सबंधित विभागों से समन्वय करते हुए निराकरण किया जाये। दुग्ध संस्थाओं के संबंध में शासन के निर्देशानुसार परिसमापनाधीन/अकार्यशील संस्थाओं को पुनर्जीवित करने या मर्ज करने संबंधी कार्यवाही की जाये। वर्गवार संस्थाओं को चिन्हित कर विभागीय अमले को इस कार्य में संलग्न किया जाये।

संभाग में पंजीकृत 994 गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के संबंध में अकार्यशील एवं परिसमापन वाली संस्थाओं बाबत जिन संस्थाओं में जमीन नहीं है, उन्हें नियमानुसार सम्पूर्ण पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए पंजीयन निरस्ती की कार्यवाही की जाये। यदि योग्य हो तो जिन संस्थाओं का कार्य समाप्त हो चुका है, उन्हें रहवासी, मेंटेनेंस, सुरक्षा, गार्डनिंग संस्थाओं में पंजीकृत कराने संबंधी विचारण में लिया जाये।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिये कि जिलों के कलेक्टर्स से आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव सहकारिता द्वारा गत 16 अक्टूबर 2024 को संभाग स्तरीय समीक्षा में दिए गए निर्देशों के परिपालन में आवश्यक कार्यवाही मार्च 2025 समाप्ति के पूर्व करना सुनिश्चित करें।

झाबुआ जिले में 24 हाई स्कूल/हायर सेकंडरी स्कूलों में आईसीटी लैब की स्थापना

इंदौर। इंदौर संभाग के झाबुआ जिले में आधुनिक एवं तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिये संचालित 24 हायर सेकंडरी स्कूलों में आईसीटी लैब की स्थापना की गई है। उक्त स्कूलों में 16 कम्प्युटर के साथ एक प्रिंटर एक एलईडी टीवी, एक डिजिटल पैड प्रदान किये गये है।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग इंदौर द्वारा हुए बताया गया है कि स्मार्ट क्लास की स्थापना कर जिले में संचालित 18 हाई स्कूल/ हायर सेकंडरी स्कूलों में दो-दो इंटरएक्टिव पैनल, 6 बालिका छात्रावासों में एक-एक इंटरएक्टिव पैनल प्रदान कर विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्यापन की सुविधा प्रदान की गई है। 197 शिक्षक-शिक्षिकाओं को टेबलेट क्रय कराये गये है।

विगत वर्ष 32 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न ट्रेड/जॉबरोल प्रारंभ करते हुए रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान की जा रही है। नवाचार व गतिविधि आधारित शिक्षण हेतु 17 विद्यालयों को पीएम श्री योजना के तहत स्वीकृत प्राप्त होकर अनेक प्रकार की अकादमिक गतिविधियां संचालित की जा रही है। एक सीएम राइज विद्यालय निर्माणाधीन है। भवन निर्माण पूर्ण होते ही कक्षाओं का संचालन प्रारंभ हो जायेगा। साथ ही खेल-कूद प्रतियोगिताओं के आयोजन जिला स्तर पर कर संभाग हेतु ?जिले से 425 खिलाड़ियों का विभिन्न खेलों में चयन किया गया, जिसमें से संभाग स्तर पर चयनित 22 खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है।

आने वाले वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा सुविधा प्रदान करने हेतु झाबुआ जिले की सभी स्कूलों में आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास,टेबलेट आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

रामघाट एवं छोटी रपट से नगर निगम द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाया

उज्जैन। आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशानुसार निगम अमले द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार को रामघाट एवं छोटी रपट के पास से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा समस्त गैंग प्रभारी को निर्देश प्रदान किए गए की महाकाल मंदिर क्षेत्र, रामघाट, हरसिद्धि चौराहा, देवास गेट बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, इंदौर गेट चौराह, गोपाल मंदिर इत्यादि प्रमुख व्यस्ततम चौराहा पर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को किसी प्रकार की समस्या ना हो इस हेतु अतिक्रमण गैंग के द्वारा नियमित रूप से अवैध ठेले एवं गुमटियों वालों पर कार्यवाही करते हुए समस्त स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए।

आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन के नियंत्रण में समस्त गैंग प्रभारियों द्वारा निरंतर शहर से अवैध निर्माण एवं अतिक्रमणों को हटाए जाने की कार्यवाही की जा रही है जिसके क्रम में शुक्रवार को गैंग प्रभारी श्री मोनू थनवार एवं रिमूवल गैंग द्वारा कार्यवाही करते हुए ठेले एवं गुमटियों को हटाया गया,कार्रवाई निरंतर की जाएगी यदि ठेले गुमटिया हटाने के बाद पुनः लगते पाए गए तो संबंधित पर चालानी कार्यवाही की जाएगी।

वार्ड क्र. 22 अन्तर्गत रामानुज कोट क्षैत्र में सफाई व्यवस्था में बाधक निर्माणों को गेंग प्रभारी श्री सोनू जाटवा द्वारा हटाए जाने की कार्यवाही की गई।

इसी के साथ गैंग प्रभारी श्री योगेश गोडाले एवं रिमूवल गैंग द्वारा ऋषि नगर पेट्रोल पंप के पास बंद पड़े हाथ ठेले, गुमटियां एवं आरटीओ चौराहा से महानंदा नगर, सर्किट हाउस, पुलिस लाइन होमगार्ड से लेकर नागझिरी फुटपाथ पर से अवैध ठेले हटाने की कार्यवाही की गई।

ग्रुप कैप्टन विष्णु दत्त शर्मा जिला सैनिक कल्याण बार्ड पहुंचे सेवाधाम

अंकितग्राम, सेवाधाम का सेवा कार्य सराहनीय, अद्धितीय एवं विलक्षण है-विष्णु दत्त शर्मा

उज्जैन। अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम की सेवा अत्यंत ही कठिन, सराहनीय, अद्धितीय एवं विलक्षण अनुभव होकर सुधीर भाई गोयल का अप्रतिम सामाजिक योगदान की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। आश्रम में सहज रूप से अत्यंत कठिन सेवा धर्म का निर्वाह होते देखकर मैं अभिभूत हूँ। जिनसे कोई रिशता नही उनकी सेवा वास्तव में भगवान की सेवा है उक्त विचार ग्रुप कैप्टन विष्णु दत्त शर्मा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी उज्जैन ने व्यक्त किए।

आश्रम संस्थापक सुधीर भाई ने बताया कि श्री दत्त ने आश्रम में निवासरत 1100 से अधिक बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात कर उनके जीवन और आश्रम की दिनचर्या के बारे में जाना पश्चात आपने कहा कि सुधीर भाई का एक-एक बच्चे, युवा और बुजुर्ग के साथ आत्मीय रिश्ता देख विस्मित हूँ हर किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट बताती है कि आश्रम के आत्मीय वातावरण में वे कितने खुश है, आश्रम में सचांलित विविध प्रकल्प आनन्द करूणालय, अवेदना केन्द्र, फिजियोथैरेपी विभाग, सत्यवती महिला प्रकल्प, प्रेमाश्रय, गौशाला सहित विविध नवीन निर्माण कार्यो का अवलोकन किया।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण बोर्ड में अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम द्वारा 11000 रूपये का योगदान देकर कैप्टन विष्णु दत्त शर्मा का आश्रम परम्परानुसार तिलक, मालवी पगड़ी एवं दुपट्टा औढ़ाकर सम्मानित किया।

श्री योगी उत्तम नाथ जी महाराज ब्रह्मलीन, समाधि आज

उज्जैन। पीर गंगानाथ जी के शिष्य भर्तृहरि गुफा के पूर्व कोठारी श्री योगी उत्तम नाथ जी महाराज ब्रह्मलीन हो गए। जिनकी समाधि आज 17 जनवरी को प्रातः 9 बजे अंकपात मार्ग कृष्णा गार्डन के सामने रखी जायेगी। जिसमे अवंतिका तीर्थ के सभी साधु संत एकत्रित रहेंगे। सभी प्रेमी श्रध्दालुओं से आग्रह है कि महाराजजी के अंतिम दर्शन कर श्रध्दांजलि अर्पित करे।

100 से अधिक गौ माता को गुड़ का भोग लगाकर की सेवा

उज्जैन। टीम माही बन्ना बोडानी द्वारा श्री श्याम गौशाला बोडानी धाम में 100 से अधिक गौ माता को गुड़ का भोग लगाकर सेवा का लाभ लिया।

करणी सेना के मुखिया जीवन सिंह शेरपुर के जन्मदिन के उपलक्ष में किये इस सेवाकार्य में धर्म प्रेमी सदस्य माही बना बोडानी, सरपंच भगवान सिंह, कमलेश शिंदे, कमलेश भाऊ बासखेड़ी, लोकेंद्र सिंह ताजपुर, राजेंद्र सिंह रुधायडा, तूफान सिंह, अर्जुन सिंह, लाला बना, बंटी बना कड़चली, मेहरबान सिंह, ईश्वर पटेल, मांगीलाल टेलर, पंकज शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, दीपक शर्मा आदि समाज सेवी उपस्थित रहे।

मत के मद में मदमस्त हो गई बीजेपी- जीतू पटवारी

राहुल गांधी की महू में होने वाली सभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से शामिल होने का आव्हान

उज्जैन। मत के मद में मदमस्त हो गई है बीजेपी सरकार, और इस मस्ती में ये उधारी की सरकार और इसके मुख्यमंत्री, ऐसा मुख्यमंत्री जो 5 हजार करोड़ से कम कर्ज ले ले तो इनकी इज्जत खराब हो जाए, शिवराज 2 हजार करोड़ कर्ज लेते थे और मोहन यादव यादव 5 हजार करोड़। पर पता नहीं ये पैसा कहां जा रहा है।

यह बात राहुल गांधी की महू में होने वाली सभा को लेकर शहर कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कही। पटवारी ने कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओ से महू चलने का आवाहन किया। सर्व प्रथम स्व. राजीव गांधी की प्रतीमा पर जीतू पटवारी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने सेवादल के साथियों सहित माल्यार्पण किया। वंदे मातरम के पश्चात, कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम को वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर बैरागी, सत्यनारायण पंवार, विधायक महेश परमार, नेता प्रति पक्ष रवि राय, अजीत सिंह ठाकुर, प्रभारी अमित शर्मा, सह प्रभारी राजा चोकसे, चेतन यादव, माया त्रिवेदी आदि ने संबोधित किया। जीतू पटवारी ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भ्रष्टाचारियों से सोना मिल रहा, ईडी छापे मार रही, इंकम टेक्स छापे मार रहे पैसे मिल रहे, पर गिरफ्तारी कुछ नहीं हो रही, एक सौरभ शर्मा को नहीं ढूंढ पा रही भाजपा सरकार। मुख्यमंत्री बोल रहे सारे बेरियर बंद कर दिये, पर सारे बेरियर का पैसा आ रहा, ऐसे ही शराब बंदी करेंगे तो अवैध शराब बिकेगी। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, वीरेंद्र गोसर, रमेश परिहार, सतीश मरमट, हेमंत गोमे, चेन सिंह चौधरी, हिमांशू शर्मा, पार्षद परमानंद मालवीय, फिरोज़ पठान, सुरेंद्र मरमट, अनवर नागोरी, सादिक खान, ईमरान खान, राजेंद्र वशिष्ठ, गब्बर कुवाल, जाहिद पहलवान, छोटेलाल मंडलोई, ओम रामी, अर्पित दुबे, मुजीब सुपारी, श्रवन शर्मा, ओपी लोट, राजेंद्र राठौर, राकेश गिरजे, चंदू यादव, वरुण शर्मा, पीयूष व्यास, अतुल सक्सेना, राहुल लोट, श्याम जटिया, चुन्नी लाल धैर्य, प्रकाश सोलंकी, असरार मामू, सुशील गोधा, आबिद खान, मनोज ठाकुर, आनंद मीणा, जितेंद्र दूबे, बाबू भाई मोय्यादी, विजय यादव, सोनीया ठाकुर, नीलम विश्वास, कल्पना कुंभारे, ऊषा मालवीय, सलीम खान, रफीक भाई टेंपो, शाहिद सिद्दीकी, फिरोज़ भारती, सलीम भाई गैस वाले, बद्री मरमट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे। संचालन देवव्रत यादव ने किया।

प्रयागराज में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे हैं डॉक्टर नागवंशी

उज्जैन। अखिल भारतीय संपूर्ण बैरवा संस्था नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर के सी नागवंशी प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु एवं साधु संतों का निशुल्क रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उन्हें दवाइयां उपलब्ध करवा रहे हैं। डॉक्टर नागवंशी अभी तक हरिद्वार नासिक प्रयागराज में होने वाले कुंभ एवं उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व के दौरान कई बार सेवा कार्य कर चुके हैं। केदारनाथ बद्रीनाथ एवं अन्य धार्मिक स्थान की यात्रा के दौरान भी मौका पड़ने पर निशुल्क रूप से लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उन्हें दवाई उपलब्ध करवाते हैं। प्रयागराज में डॉक्टर नागवंशी के साथ उनकी पत्नी श्रीमती उषा नागवंशी भी सेवा कार्य में सहयोग कर रही हैं।

कई संस्थानों से जुड़े हैं- डॉक्टर नागवंशी लायंस क्लब उज्जैन शिप्रा चार धाम मंदिर के अलावा अन्य कई संस्थानों से जुड़े हुए हैं। शहर की संस्थाओं के माध्यम से सेवा कार्य में आगे रहते हैं। अभी तक कई लोगों को नशे से मुक्ति दिलवा चुके हैं। युवाओं को शुरू से अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। डॉक्टर नागवंशी की गतिविधियां साल भर चलती रहती है समाज सेवा को दृष्टिगत रखते हुए लगने वाले शिविर में सेवा कार्य करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। इनका कहना है कि समाज सेवा करना प्रभु सेवा है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com